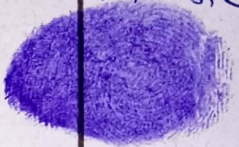


21/9/21

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण मय
वकील उपस्थित। प्राण पत्र पेश कर
निवेदन किया कि अन्वानी प्रकरण में हम
पक्षाकारान का आपस में राजीनामा हो गया
है। अतः प्रकरण को इस स्तर पर विद्रो
करने की इजाजत दी जावे। प्रस्तुत प्राण
पत्र पर प्रार्थीगण एवं वकील प्रार्थीगण को
सुना गया प्राण पत्र वादीगण स्वीकार किया
जाता है। प्रकरण इसी स्तर पर विद्रो किया
जाता है। पत्रावली दाखिल दफ्तर हो।

मि० महरथ



दि 26/2

मि० चाहेमल



Signature

Handwritten mark

उप सचिव जयिकरी
पहाड़ी (भरतपुर)